सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 41 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 13 मार्च, 2025

हम ऐसे लोगों को खोजते हैं जो किसी चीज को लेकर पैशनेट हों। एक तरह से, ये लगभग मायने नहीं रखता कि आप किस चीज को लेकर पैशनेट हैं।
–मार्क जुकरबर्ग

वनडे रैंकिंग में मिल की बादशाहत... 7 | बिहार में युवा नेताओं की मांग... 3 | मैंने कुछ नहीं किया फिर भी... 2

नेता जी! क्यों कर रहे हो रंग में भंग

जुमे और होली को लेकर विवादित बयान पर घमासान

जनता बोली- हम सब मिलकर मनाएंगे त्योहार, सबका रखेंगे ख्याल

» यूपी के कई जिलों में मस्जिद ढकने के आदेश फैसले पर उठे सवाल

» होली को लेकर तेलंगाना पुलिस की गाइडलाइन पर भी विवाद

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। होली और जुमे के एक दिन पड़ने से पूरे देश में असमंजस की स्थिती बन गई है। नेताओं के विवादित बयानों ने देश के इतिहास में पहली बार ऐसा माहौल बना दिया है कि आम लोग तो परेशान है ही शासन-प्रशासन तक की नींदें उड़ी हैं। इसी के मद्देनजर उत्तर से लेकर दक्षिण तक में सरकारों को रंगों त्योहार व जुमे की नमाज के चलते गाइड लाइन जारी करनी पड़ रही है।

जहां यूपी में संभल की मस्जिदों को ढकने के आदेश हुए हैं तो वहीं तेलंगाना में हैदराबाद पुलिस द्वारा होली खेलने के समय को निर्धारित किया गया है। यूपी में जहां भाजपा व तेंलगाना में कांग्रेस की सरकार है। दोनो सरकारों के फैसलों को लेकर आमजन से लेकर खास तक आलोचना कर रहे हैं। भाजपा व कांग्रेस एक-दूसरे पर सौहार्द बिगाड़ने का आरोप लगा रहें है। जबकि आमजन किसी भी समुदाय के भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना दोनों त्यौहारों को खुशी-खुशी मनाने को तैयार है।

बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने

भारतीय जनता पार्टी ने होली पर हैदराबाद और साइबराबाद में ऐसे सख्त आदेश को लेकर तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को घेरा है। बीजेपी का कहना है कि तेलंगाना सरकार का यह फैसला हिंदू विरोधी है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा है कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार का हिंदू विरोधी एजेंडा एक बार फिर खुलकर सबके सामने आ गया है। उन्होंने कहा ये लोग होली पर प्रतिबंध लगा रहे हैं और बता रहे हैं कि हिंदुओं को होली कैसे मनानी चाहिए। हैदराबाद के गोशामहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने इस अधिसूचना तेलंगाना कांग्रेस सरकार का ये तुगलकी फरमान बताया है।

शाहजहांपुर, संभल, अलीगढ़ में ढके गए मस्जिद

उत्तर प्रदेश में कुछ जिलों में जुलूस वाले रूट्स पर पड़ने वाली मस्जिदों को ढक दिया गया है। इसमें शाहजहांपुर, संभल, अलीगढ़ प्रमुख है। शाहजहांपुर में लाट साहब की होली के जुलुस वाले रूट पर पड़ने वाली मस्जिदों को तिरपाल से ढक दिया गया है। वहीं संभल में करीब 10 मस्जिदों को ढका गया है। साथ ही अलीगढ़ में भी कुछ मस्जिदों को लेकर सुरक्षात्मक उपाय किए जा रहे हैं। इसके अलावा अधिकतर जगहों पर दोपहर ढाई बजे नमाज पढ़ने का फैसला किया गया है। सबसे पहले बात संभल की करें तो यहां होली और जुमे को लेकर संभल में प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है. संभल की शाही जामा मस्जिद को तिरपाल से ढका गया है. संभल में एक रात वाली मस्जिद, शाही जामा मस्जिद, लदनिया मस्जिद, गोल मस्जिद, अनार वाली, खजूरे वाली, गुरुद्वारा रोड मस्जिद को भी ढका जाएगा, इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अलीगढ़ भी उन जिलों में शामिल है जहां मस्जिदों को ढका जा रहा है यहां के अब्दुल करीम चौराहे पर मौजूद हलवाईयां मस्जिद को तिरपाल से ढक दिया गया है। इसके साथ ही कनवरीगंज और दिल्ली गेट चौराहे पर मौजूद मस्जिदें भी ढकी गई हैं. अलीगढ़ में मस्जिद ढकने से जुड़े सवाल पर एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट ने कहा कि यह पहले भी होता रहा है। सभी हमारा सहयोग कर रहे है। अलीगढ़ में जाकिर ने कहा कि शहर में शांति बनी रहे अमन रहे, किसी भी समुदाय को किसी को तकलीफ ना हो. प्रशासन की तरफ से य एक सहयोग होता है और प्रशासन इसमें पूरी तरह से मदद करता है इसलिए कोई अप्रिय घटना ना हो ऐसे में मस्जिद ढकी जा रही है।

14 जिलों में नमाज का बदला वक्त

मस्जिदों को ढकने के साथ ही राज्य के 14 जिलों में नमाज का वक्त भी बदला गया है. इसमें शाहजहांपुर, संभल, जौनपुर, मिर्जापुर, ललितपुर, औरैया, लखनऊ, मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा, उन्नाव, बरेली, मुरादाबाद, सोनभद्र और अयोध्या शामिल है। इन सबके बीच होली और जुमे को लेकर इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने एडवायजरी जारी की है।

दोनों पक्ष सौहार्द बनाए रखें और शांति से त्योहार मनाएं : मौलाना फिरंगी महली

मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि जुमे की नमाज के लिए समय तय किया है हम चाहते हैं कि दोनों पक्ष सौहार्द बनाए रखें और शांति से त्योहार मनाएं।

'हमारी सरकार बनेगी तो अनुज कुमार को उचित जवाब देंगे'

संभल सीओ अनुज कुमार चौधरी के होली और जुम्मा (शुक्रवार) वाले बयान पर यूपी ही नहीं देश की भी राजनीति में गर्माहट बनी हुई है। संभल सीओ के बयान को लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी बीच अब संभल से समाजवादी पार्टी के विधायक इकबाल महमूद ने बड़ा बयान दिया है। संभल से समाजवादी पार्टी के विधायक इकबाल महमूद ने संभल सीओ अनुज कुमार चौधरी के होली और जुमा वाले बयान पर कहा, हम नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा, जब हमारी सरकार बनेगी तो हम उन्हें उचित जवाब देंगे, उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। वहीं संभल सीओ अनुज चौधरी के बयान पर संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा था कि संभल पर कोई कब्जा नहीं किया गया है. मुख्यमंत्री को कौन इस तरह से समझा रहा है यह परे है. पिछले 30 सालों से संभल में कोई दंगा-फसाद नहीं हुआ है. राजनीति से हटकर हमें प्रदेश और देश की तरक्की पर ध्यान देना होगा. होली और नमाज पहली बार ऐसा नहीं हो रहा है कि दो तोयौहार एक दिन हो रहा है. अधिकारी ने इस मुद्दे को उछाला है और ऐसे अधिकारी को बने रहने का कोई अधिकार नहीं है. आप देखिएगा उस दिन दोनों समुदाय के लोग अपना-अपना त्यौहार धूम-धाम से मनाएंगे।

तेलंगाना में जबरन रंग लगाया तो होगा एक्शन

तेंलगाना पुलिस ने होली पर इस गाइडलाइन जारी किया है इसके मुताबिक, किसी भी व्यक्ति को जबरन रंग लगाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। आदेश के मुताबिक, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी अनिच्छुक व्यक्ति और उनके वाहनों पर रंग या रंगीन पानी फेंकने पर बैन है। इसके साथ ही सड़कों पर टोलियों में बाइक और अन्य वाहनों की आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगाया गया है. अगर कोई ऐसा करते देखा गया तो उस पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसी तरह का आदेश हैदराबाद से सटे साइबराबाद में भी निकला है। हैदराबाद और साइबराबाद पुलिस ने यह कदम इस वजह से उठाया है ताकि शांति व्यवस्था भंग न हो और लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। हैदराबाद में यह आदेश 13 मार्च की शाम 6 बजे से 15 मार्च सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। वहीं, साइबराबाद में यह 14 मार्च को सुबह 6 बजे से 15 मार्च सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा. बता दें कि होली के दिन ही जुमा भी पड़ रहा है। ऐसे में पुलिस प्रशासन ज्यादा सतर्कता बरत रहा है।

सीओ की बात का गलत मतलब निकाला गया : बृज भूषण

यूपी में होली और जुमे को लेकर चर्चाओं के बीच भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने होली के मौके पर अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में मस्जिदों को तिरपाल ढकने और संभल सीओ अनुज चौधरी के बयान पर जवाब दिया और कहा कि पूरे विवाद की शुरुआत मुंबई में औरंगजेब को लेकर कही बात से शुरू हुई लेकिन संभल के सीओ की बात का गलत मतलब निकाला गया। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इस समय होली को लेकर जो कड़वाहट पैदा हुई है उससे पहले मुंबई से औरंगजेब पर बयान आया।

मैंने कुछ नहीं किया फिर भी मामला दर्ज : आजमी

» जांच अधिकारी के समक्ष पेश हुए सपा नेता, बोले- मैं डरा हुआ हूं, मुझे धमकी मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। औरंगजेब के बारे में अपने विवादास्पद बयान को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी पुलिस के सामने पेश हुए। पुलिस के सामने पेश होने के बाद अबू आज़मी ने कहा कि बयान दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है, कोई मामला नहीं है। मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मैंने अग्रिम जमानत ली थी।

मुझे जमानत मिल गई है और मुझे 3 दिन के लिए आकर हस्ताक्षर करने होंगे। मैं डरा हुआ हूं, मैंने कुछ नहीं किया फिर भी मामला दर्ज हो गया। मुझे आतंकवादी तक कहा गया, मुझे पूरे सत्र से निलंबित कर दिया गया। इससे पहले मुंबई की एक अदालत ने समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने संबंधी टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत दे दी। आजमी ने अर्जी में कहा कि उनकी टिप्पणी किसी व्यक्ति विशेष का अपमान करने या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं की गई थी, जिसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी जी रघुवंशी ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली। महाराष्ट्र विधानसभा से 26 मार्च तक निलंबित आजमी को राहत देते हुए अदालत ने कुछ शर्तें लगाईं और उन्हें 20,000 रुपये का जमानत मुचलका भरने का निर्देश दिया। अदालत ने आजमी को दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस थाने में तीन दिन (12, 13, 15 मार्च) के लिए आने और जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। पिछले सप्ताह दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस थाने में महानगर के मानखुर्द-शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक आजमी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मुगल बादशाह की प्रशंसा करने वाली उनकी टिप्पणी को लेकर मामला दर्ज किया गया था। आजमी के वकील मुबीन सोलकर ने अदालत के समक्ष कहा कि प्राथमिकी में उनके मुवक्किल के खिलाफ किसी अपराध का खुलासा नहीं किया गया है।

सरकार के काम करने की नीयत पर सवाल : किशोरी लाल

» संसद भवन में अमेठी सांसद ने उठाया रेल परियोजना का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। यूपी के अमेठी संसदीय क्षेत्र में रेल लाइन का मुद्दा एक बार फिर संसद में गूंजा। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने अमेठी संसदीय क्षेत्र और रायबरेली संसदीय क्षेत्र की रेलवे लाइन और रेल परियोजना के मुद्दे को संसद भवन में उठाया। उन्होंने सरकार से इस पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

सांसद ने संसद सत्र के दौरान अपने भाषण में ऊंचाहार-अमेठी रेलवे लाइन के साथ रायबरेली-महाराजगंज रेलवे लाइन का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार के काम करने की नीयत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मैं सरकार से मांग करता हूं कि इन दोनों रेलवे लाइन पर क्या काम हो रहा है ? कब तक पूरा होगा? सरकार इसका समुचित जवाब दे।

हिमाचल विधानसभा में गोबर को लेकर मची रार

» केंद्रीय योजनाओं के पैसे और गोबर खरीद मामला उठा

» सत्तापक्ष-विपक्ष में तीखी नोकझोंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। गोबर खरीद पर हिमाचल विधानसभा सदन में भाजपा विधायक सतपाल सिंह सत्ती और कृषि एवं पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार में तीखी नोकझोंक हुई। सत्ती ने सदन में गोबर खरीद पर सवाल उठाया तो इस पर मंत्री चंद्र कुमार ने पलटवार किया। इससे पूर्व राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए ऊना के भाजपा विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने कहा कि गोबर खरीदने का काम क्या सरकारों का होता है।

कांग्रेस ने इसकी बातें कीं तो वे भी हैरान हुए। पर ऐसा कुछ नहीं किया गया। सड़कों में गोबर के ढेर लगे हुए हैं। कोई खरीद नहीं हो रही है। इस पर मंत्री चंद्र कुमार ने बीच में हस्तक्षेप कर कहा कि अगर विपक्ष सही होता तो ये इस ओर होते। ये ओवरड्राफ्ट करके गए हैं। हमारा घोषणापत्र पांच साल के लिए हैं। घोषणाओं को हमें पूरा करना है। पहली गारंटी को ओपीएस के रूप में पहली कैबिनेट में पूरा किया गया।

पूर्व भाजपा सरकार ने कोविड में मंदिरों से लिए करोड़ों रुपये : मुकेश

केंद्रीय योजनाओं का पैसा कर्मचारियों की तनख्वाह खर्च करने के मामले में उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और भाजपा विधायक रणधीर शर्मा के बीच नोकझोंक हुई। विधायक रणधीर ने कहा कि केंद्र से जारी समग्र शिक्षा का पैसा प्रारंभिक शिक्षा के अध्यापकों के वेतन में खर्च किया गया। वर्तमान सरकार ने कांग्रेस की परंपरा को कायम रखा है। पहले स्कूटर में सेब ढोए और अब पानी ढोया जा रहा है। उन्होंने मंदिर का पैसा बजट योजनाओं में भी खर्च करने का आरोप लगाया। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि पूर्व सरकार ने भी गोशालाओं के निर्माण और रखरखाव के लिए मंदिरों से पैसा लिया।

मैं हिंदू हूं, और मुझे बीजेपी से प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं : ममता बनर्जी

» बीजेपी नेता सुवेंदु के बयान पर बंगाल की सीएम की दो टूक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र स्थायी है, लेकिन कुर्सी नहीं। कुर्सी का सम्मान करें। आप मुस्लिम विधायकों को बाहर निकालने के बारे में कैसे सोच सकते हैं। वे (बीजेपी) मुसलमानों को निशाना बना रहे हैं क्योंकि यह रोज़ा का महीना है, और उन्हें यह पसंद नहीं है।

वे सांप्रदायिक बयान देकर देश का ध्यान आर्थिक और व्यापार पतन से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक हिंदू हूं, और मुझे बीजेपी से प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में हिंदू मंदिरों पर हमलों के खिलाफ भाजपा ने विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेता सुवेन्दु अधिकारी ने कहा कि पिछले 4-5 दिनों से बरुईपुर, बशीरहाट में हिंदू मंदिरों और मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है। एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने दावा किया कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का जश्न मना रहे लोगों पर हमला किया गया।

भेदभाव बंद किया जाना चाहिए : अग्निमित्रा

विपक्ष के नेता ने दावा किया कि यह गैरकानूनी है और पश्चिम बंगाल की जनता की आवाज को दबाने की कोशिश है, जिसके खिलाफ हम प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि मांग यह है कि भेदभाव बंद किया जाना चाहिए। वोट बैंक और मुसलमानों के तुष्टीकरण के लिए हिंदुओं को किनारे किया जा रहा है। हमारे मुख्य सचेतक डॉ. शंकर घोष ने हमारे मुद्दे उठाए और हमेशा की तरह उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई। हम इस निरंकुशता को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

होली के रंग

हास्य-व्यंग्य के संग

जोगीरा सारा रा रा रा...

नहीं टैक्स है हास्य पर, हँस लीजै महराज !
लगता है इस पर नहीं , कोई भी सरचार्ज !!
जोगीरा सारा रा रा रा...

आग सिलिंडर में लगी ,दमकल रही बुझाय!
महंगाई की आग को , कोई बुझा ना पाय !!
जोगीरा सारा रा रा रा....

सम्पादक बतला कहे ,यह नुस्ख़ा पेटेन्ट!
लिख लाओ अश्लील कुछ, डबल करें पेमेन्ट!!
जोगीरा सारा रा रा रा...

लुप्त अहिंसा हो गई, नहीं सत्य में दम !
'गांधी-पथ' पर नवयुवक, फोड़ रहे हैं बम !!
जोगीरा सारा रा रा रा...

मिथ्या देह बता रहे, स्वामी सेवक दास !
बीच बीच में खींचते, रबड़ी भरे गिलास !!
जोगीरा सारा रा रा रा...

छापा कुंडली

सी .बी .आई. जांच

नेता जी रंगीन थे, खेल रहे थे रंग ।
तभी गार्ड आया वहाँ, किया रंग में भंग।।
किया रंग में भंग, कहा ईडी आये हैं।
पूछ रहे हैं रंग विदेशी क्यों लाये हैं?
टीम खड़ी है बाहर, दिखा रही नाराजी।
छापा पड़ा, परेशां हैं, तब से नेता जी ।।

करा रहे हैं खून की नेताजी खुद जांच !
अस्पताल से आ गईं रपट जांच की पांच !!
रपट जांच की पांच, किंतु निष्कर्ष न कोई ।
श्रीमती जी रपट देख, अंसुअन से रोईं।।
अस्पताल वाले सब मूरख बना रहे हैं ।
सी. बी .आई .जांच क्यों नहीं करा रहे हैं ?

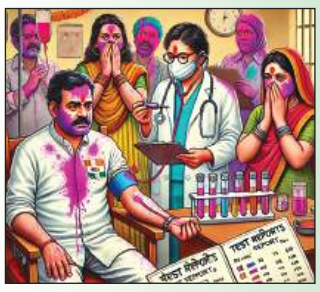

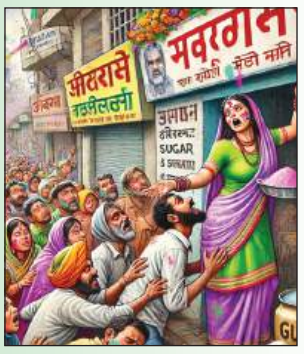

होली, राधा और महंगाई

राशन की लाइन मा, खाइ-खाइ धक्कन के,
टूट गई कमर, बची न तरुणाई है ।
नाचे कैसे राधारानी होली मा , यूँ बोलि रहे,
तेल नहीं नौ मन, ये कड़वी सच्चाई है।।
सुनि-सुनि शक्कर के भाव, आएं चक्कर से,
अब के लुगाई के भी समझ मा आई है।
बेल जैसी चढ़ रही, रेल जैसी बढ़ रही,
घटा सी उमड़ रही , हाय महंगाई है !!

सभी मित्रों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई।

रचनाकार : राजेश अरोरा शलभ

बिहार में युवा नेताओं की मांग बढ़ी!

तेजस्वी की काट के लिए कांग्रेस उतारेगी किशन-कन्हैया

- भाजपा को छोड़ सभी के पास युवा चेहरा
- कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लवरु ने संभाला मोर्चा
- राजद ने एनडीए सरकार पर हमला रखा जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इस वर्ष चुनाव हैं। वहां पर धीरे-धीरे सियासी माहौल बन रहा है। राजद व कांग्रेस नीतीश सरकार पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं चूकती है। नई पीढ़ी के नेताओं की जनता में मांग बढ़ रही है। चिराग, तेजस्वी, पीके से लेकर कन्हैया के रैलियों में उनको सुनने के लिए लोग जुट रहे हैं। सीएम नीतीश के पुत्र निशांत भी चुनावों में आने की जुगत में लगे हुए हैं।

वहीं लालू की बेटियां भी कमर कस रही हैं। आने वाले चुनावों के परिणाम बताएंगे की किसकी किस्मत बनती है। कांग्रेस बिहार की चुनावी जंग उन युवाओं के कंधे पर सवार हो कर लड़ेगी जो पलायन, नौकरी, शिक्षा को विकास को प्रभावित करने वाला फैक्टर मानते हैं। यह लड़ाई किसी दल विशेष की नहीं, यह लड़ाई उनका है जो इन मुद्दों के कारण पीड़ति हो रहे हैं। उधर कांग्रेस की लाइन और लेंथ यह है कि जो युवाओं के बेहतर भविष्य की लड़ाई और उन्हें न्याय दिलाना चाहते है, वह इस पद यात्रा में शामिल हो सकते है। इस पद यात्रा का नाम है नौकरी दो पलायन रोको %। यह दीगर कि यह पदयात्रा यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई के बैनर तले निकलेगी लेकिन देश और राज्य स्तर पर कांग्रेस के काबिल नेता यहां-वहां जुड़ते रहेंगे।

नौकरी, पलायन और शिक्षा होंगे मुद्दा

पर गौर करें कि बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया कुमार जिस नौकरी, पलायन और शिक्षा के विरुद्ध पद यात्रा में कांग्रेस की गोटी सेट करना चाहते है, वह तेजस्वी की कमाई, दवाई और पढ़ाई से बहुत मेल खाता हुआ दिखता है। सवाल ये भी है कि इस राह पर चल कर कांग्रेस, क्या राजद के बी टीम की छवि से मुक्त हो पाएगी? सवाल तो यह भी है कि जिन मुद्दों की ताकत से तेजस्वी यादव 2020 की चुनावी जंग जीतना चाहते थे, वह वे जंग हार भी गए। फिर कांग्रेस अब 2025 के चुनावी जंग में पुराना और फेल मुद्दा उठा कर क्या संदेश देना चाहती है?

अन्याय के खिलाफ लड़ेगी कांग्रेस : कन्हैया

तेजस्वी की काट के लिए कांग्रेस के कृष्ण-कन्हैया

एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने कहा कि %बिहार के लोगों के ऊपर जो अन्याय हो रहा है उसके खिलाफ एनएसयूआई और युवा कांग्रेस 16 मार्च को चंपारण के भितिहरवा से पदयात्रा की शुरुआत करेगी और यह यात्रा विभिन्न जिलों से होते हुए पटना आकर समाप्त होगी। इस यात्रा का मुख्य मुद्दा शिक्षा, नौकरी और इलाज रहेगा। जिस तरीके से राज्य में बीपीएससी अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया वो बेहद शर्मनाक है। बिना नौकरी दिए और बिना शिक्षा दिए हुए बिहार का विकास नहीं होने वाला है। बिहार में तीन साल की ग्रेजुएशन डिग्री पंचवर्षीय योजना बन जाती है। राज्य के कॉलेज के हालात, अब यूथ कांग्रेस की बात आएगी तो इस पदयात्रा में कन्हैया कुमार का नाम सबसे ऊपर रहेगा। जेएयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष और अब कांग्रेस में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया कुमार भी इस पदयात्रा में शामिल होंगे। कांग्रेस अपने युवा नेतृत्व के सहारे पूरे बिहार में पदयात्रा 16 मार्च से उस स्थान से शुरू करेंगी, जहां से महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के जुल्म के खिलाफ आंदोलन की मजबूत नींव रखी थी। कांग्रेस के जेहन में भी यह जंग केंद्र की मोदी और बिहार की नीतीश सरकार के खिलाफ है। आरोप है कि दोनों ही सरकारें युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही हैं और आज भी युवा रोजगार के लिए पलायन पर मजबूर हैं।

राज्य के सभी छात्रों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एनएसयूआई उनके लिए संघर्ष करेगी और राज्य के विकास को बेहतर बनाने का काम करेगी। ये पदयात्रा न्याय की पुकार है और जो भी विद्यार्थी या युवा जिसे शिक्षा नहीं मिल रही, नौकरी नहीं मिल रही, इलाज नहीं मिल रहा है वे इस यात्रा का हिस्सा बनें।

बिहार में पलायन आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक बीमारी बनी : कृष्णा अल्लवरु

फिलहाल कांग्रेस 16 मार्च से युवा और छात्र कांग्रेस का भितिहरवा से नौकरी दो, पलायन रोको पदयात्रा की शुरुआत करने जा रही है। बिहार कांग्रेस के प्रभारी सह युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लवरु ने कहा कि बिहार में पलायन आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक बीमारी बन चुकी है, इसलिए बिहार का युवा और छात्र अब अपने भविष्य को लेकर इस सरकार से

भयाक्रांत हो चुका है। कांग्रेस पार्टी के साथ युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के साथी मजबूती से उनके हक में यह पदयात्रा करेंगे। बिहार की जनता, युवा और छात्रों का आवाज बनकर कांग्रेस काम कर रही है और सरकार के खिलाफ खड़े होकर संसद, विधानसभा और सड़क पर हमलोग संघर्ष करेंगे। पदयात्रा बिहार के छात्रों और युवाओं को अकादमिक और आर्थिक समस्याओं से बचाने के लिए संचालित होगी। इस पदयात्रा में चंपारण की भूमि से महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करके निरंकुश सरकार के निर्णयों और नीतियों से छात्र युवाओं की जो हकमारी की जा रही है हम उसकी खिलाफत करेंगे।

कांग्रेस की है यह रणनीति

बिहार का विधान सभा चुनाव 2025 कांग्रेस इस मिजाज से जीतना चाहती है कि दलीय प्रतिबद्धता नहीं बल्कि नौकरी ,पलायन और शिक्षा की विफलता से प्रभावित युवा वर्ग गोलबंद हो और कांग्रेस की इस पद यात्रा को

कामयाब करे? क्या यह बिहार की उस धरती पर संभव है, जहां अभी भी जातीय जकड़न चरम पर है? सोशल इंजीनियरिंग के नाम पर जातीय ताल मेल जहां एनडीए और महागठबंधन का मूल मंत्र है। ऐसे में कांग्रेस का राजद से अलग हटकर इन मुद्दों की राजनीति के क्या संकेत माने जाएं? वैसे तो चुनाव में समय है पर कांग्रेस का ये कदम ऐसा लग रहा है कि नई बोतल में पुरानी शराब। लेकिन माना जा रहा है कि इस यात्रा के जरिए तेजस्वी के बरक्स कन्हैया को खड़ा करने की तैयारी शुरू हो गई है।

नीतीश कुमार पर भड़कीं राबड़ी देवी

आरजेडी विधायकों ने विधानसभा सत्र से वॉकआउट करते हुए आरोप लगाया कि सीएम नीतीश कुमार और सत्तारूढ़ गठबंधन, एनडीए ने पूर्व सीएम राबड़ी देवी सहित बिहार की महिलाओं का अपमान किया है। आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने बाद में कहा कि नीतीश कुमार भंगेड़ी है, भांग पीकर विधानसभा आते हैं। वे महिलाओं का अपमान करते हैं, जिनमें मैं भी शामिल हूं। उन्हें देखना चाहिए कि जब हम सत्ता में थे, तब हमने किस तरह का काम किया था। उनके आस-पास के लोग जो कहते हैं, वही वे बोलते हैं। उनकी अपनी पार्टी के सदस्य और भाजपा के कुछ नेता उनसे ऐसी बातें कहने

के लिए कह रहे हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार में लूट, हत्या और महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन सरकार और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। इससे पहले राजद नेता राबड़ी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर पार्टी द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लिया, जिसमें उनके बेटे तेजस्वी यादव भी शामिल हुए। राबड़ी देवी ने पूछा, ''नीतीश कुमार दावा करते हैं कि बिहार में जो भी अच्छा हुआ है, वह 2005 के बाद से हासिल हुआ है, जब वे सत्ता में आए थे। क्या उनका जन्म भी उसी साल हुआ था? नीतीश पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने दावा किया कि वह यह कहने की हिम्मत रखते हैं कि बिहार में उनके सत्ता में आने से पहले लड़कियां और महिलाएं कपड़े नहीं पहनती थीं। क्या यह बात उनके अपने परिवार की महिलाओं के लिए भी सच है? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान परिषद में राजद की महिला सदस्यों के साथ तीखी बहस के दौरान विपक्ष की नेता राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए कहा था कि ''इसके पति जब डूब गये तब अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बीमा कंपनियों की मनमानी रोकने को उठाए जाएं कदम

आदमी अपनी सुरक्षा के लिए हमेशा गंभीर होता है। इसलिए वह बीमा जैसी सेवाओं में निवेश करता है। आधुनिक समय में लोग सामन्य बीमा के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी बीमा में भी धन लगाता है। पर ये बीमा कभी-कभी लोगों की परेशानी का सबब भी बनते हैं। बीमा शब्द वैसे तो सुरक्षा का बोध कराता है। ऐसा शब्द जिससे हमें सेहत से लेकर भविष्य सुरक्षित रखने तक की बातें जेहन में आती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि बीमा की सुरक्षा एक हद तक लोगों को कई संकटों में राहत देने का काम करती है। खासतौर से सेहत के मामले में यदि स्वास्थ्य बीमा कराया हुआ हो। सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की अपनी सीमाएं हैं इसीलिए लोग स्वास्थ्य को लेकर अतिरिक्त सुरक्षा कवच दूसरे बीमा के रूप में भी लेना पसंद करने लगे हैं। लेकिन यही सुरक्षा कवच जब बीमा नियमों की जटिलताओं में उलझता दिखे तो बीमा कराने वाला खुद को ठगा सा महसूस करता है। ऐसा नहीं कि स्वास्थ्य बीमा करने वाली सभी बीमा कंपनियों का आचरण एक जैसा होता हो लेकिन जिस तरह के मामले आए दिन सामने आते हैं उससे लगता है कि स्वास्थ्य बीमा कराने वाले को अब वकील या चार्टर्ड अकाउंटेंट का सहारा लेना चाहिए!

> बीमा शब्द वैसे तो सुरक्षा का बोध कराता है। ऐसा शब्द जिससे हमें सेहत से लेकर भविष्य सुरक्षित रखने तक की बातें जेहन में आती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि बीमा की सुरक्षा एक हद तक लोगों को कई संकटों में राहत देने का काम करती है। खासतौर से सेहत के मामले में यदि स्वास्थ्य बीमा कराया हुआ हो।

छत्तीसगढ़ में रायपुर के एक ताजा मामले ने सबका ध्यान खींचा है। बीमा कंपनी ने एक उपभोक्ता का स्वास्थ्य बीमा क्लेम यह कहकर रोक दिया कि कोविड के समय उसे अस्पताल में दाखिल होने की जरूरत नहीं थी। वह होम क्वारंटाइन होकर ही इलाज करा सकता था। जबकि बीमित व्यक्ति के बीमा में कोविड कवर भी था। उपभोक्ता फोरम में पहुंचने पर अब मरीज को राहत मिली है। सब जानते हैं कि कोविड का दौर आपातकालीन था। यदि शासन व डॉक्टर ने ही मरीज को होम क्वारंटाइन की अनुमति नहीं दी हो तो उपभोक्ता भला स्वयं कैसे फैसला कर सकता है? चिंता इसी बात की है कि बीमा कंपनियां बेवजह मरीजों का क्लेम अटकाने में जुट जाती हैं। बीमा कराने के पहले कंपनियां यह ताकीद जरूर करती है कि सभी दस्तावेजों को पहले ध्यान से पढ़ें। दस्तावेजों की संख्या और उसकी इबारत आम आदमी के तो शायद ही समझ में आए। यह ऐसी होती है कि आम उपभोक्ता समझ ही नहीं सकता।बहुत से मामलों में देखने में आया है कि कंपनियां अजीब-अजीब शर्तों में उलझाकर क्लेम या तो रोक देती है या फिर क्लेम सेटलमेंट करते वक्त कई मदों का बोझ बीमित की जेब पर डाल देती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हैरान-परेशान लोग बीमा कंपनियों की मनमानी के खिलाफ बीमा लोकपाल, बीमा नियामक, उपभोक्ता फोरम और कोर्ट के ही चक्कर काटने को मजबूर होते रहेंगे? जब दुनियाभर में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं पर बहस छिड़ी है, सरकारें विभिन्न कल्याण योजनाएं चला रही हैं। ऐसे में बीमा कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए भी सरकारी स्तर पर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

छोटे परमाणु रिएक्टर बदलेंगे ऊर्जा का परिदृश्य

मुकुल व्यास

विश्व में हाल में परमाणु ऊर्जा की तरफ नई दिलचस्पी पैदा हुई है और इसकी मुख्य वजह यह कि विभिन्न देश अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर गमन करना चाहते हैं। जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दों को हल करने के लिए कई देश परमाणु ऊर्जा को एक स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत के रूप में देख रहे हैं। परमाणु ऊर्जा ने पिछले 50 वर्षों में पहले ही लगभग 70 गीगाटन (70 अरब मीट्रिक टन) कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम किया है, और इसका निरंतर विस्तार नेट जीरो इमिशन (हानिकारक उत्सर्जन के उन्मूलन) के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

आने वाले समय में एआई सिस्टम के संचालन के लिए निरंतर ऊर्जा आपूर्ति की जरूरत पड़ेगी। पारंपरिक ऊर्जा स्रोत एआई सेक्टर की मांग पूरी नहीं कर सकते। इस समय सिर्फ परमाणु ऊर्जा ही इस जरूरत को पूरा कर सकती है। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण और मौजूदा संयंत्रों को अपग्रेड करना शामिल है। दुनिया में अब बड़े परमाणु रिएक्टरों के बजाय छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों का चलन बढ़ रहा है। भारत भी मॉड्यूलर रिएक्टरों के मामले में किसी से पीछे नहीं रहना चाहता। अभी हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने आधुनिक परमाणु रिएक्टरों को संयुक्त रूप से विकसित करने की मंशा व्यक्त की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि ऊर्जा सुरक्षा और कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के लिए परमाणु ऊर्जा महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) और एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों (एएमआर) के बारे में एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। भारत और फ्रांस ने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और कम कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर गमन के लिए परमाणु ऊर्जा एनर्जी मिक्स (विभिन्न ऊर्जा स्रोत) का एक अनिवार्य हिस्सा है।

एसएमआर कॉम्पैक्ट परमाणु विखंडन रिएक्टर हैं जिन्हें कारखानों में निर्मित किया जा सकता है और फिर कहीं और स्थापित किया जा सकता है। वे आम तौर पर पारंपरिक परमाणु रिएक्टरों की तुलना में कम क्षमता वाले होते हैं। मॉड्यूलर रिएक्टर मॉड्यूलर डिजाइन पर आधारित होता है। यह रिएक्टर छोटे और मॉड्यूलर इकाइयों में

बनाया जाता है जिन्हें एक साथ जोड़कर एक बड़ा रिएक्टर बनाया जा सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर छोटे आकार में बनाए जा सकते हैं, जिससे उन्हें आसानी से ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है।

रिएक्टर की लागत कम होती है, क्योंकि उन्हें मॉड्यूलर इकाइयों में बनाया जाता है। मॉड्यूलर रिएक्टर में पैसिव कूलिंग सिस्टम जैसे कई सुरक्षा उपाय होते हैं। इनकी दक्षता बढ़ाने के लिए कई तकनीकों का उपयोग किया जाता है। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) छोटे आकार के रिएक्टर होते हैं जो 10-100 मेगावाट की क्षमता वाले होते हैं। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों में उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाता है, जैसे कि पैसिव सुरक्षा प्रणाली, उन्नत ईंधन चक्र और उन्नत नियंत्रण प्रणाली। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों को सेफ्टी के लिए डिजाइन किया जाता है। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों को लागत की दृष्टि से प्रभावी बनाया जाता है। इंटीग्रल प्रेशराइज्ड वाटर रिएक्टर (आईपीडब्ल्यूआर) और हाई-टेम्परेचर गैस-कूल्ड रिएक्टर (एचटीजीआर) एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों के कुछ उदाहरण हैं। आईपीडब्ल्यूआर रिएक्टर एक एकल इकाई में प्रेशराइज्ड वाटर रिएक्टर और टर्बाइन को एकीकृत करते हैं जबकि एचटीजीआर रिएक्टर उच्च तापमान पर काम करते हैं और गैस कूलिंग का उपयोग करते हैं। नि:संदेह, एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों का विकास और उपयोग परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कि सुरक्षित, कुशल और लागत-प्रभावी ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर का उपयोग विद्युत उत्पादन के अलावा उद्योगों में ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जा सकता है।

इनका उपयोग विभिन्न चिकित्सा अनुप्रयोगों में भी किया जा सकता है। रेडियो आइसोटोप उत्पादन के लिए छोटे रिएक्टर बहुत उपयोगी होंगे। भारत का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा में अपने परिवर्तन के हिस्से के रूप में 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पन्न करना है। निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्षम करने के लिए सरकार परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति अधिनियम के लिए नागरिक दायित्व में संशोधन पर भी विचार कर रही है। इस समय परमाणु ऊर्जा संयंत्र भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता 462 गीगावाट का 1.8 प्रतिशत और कुल बिजली उत्पादन का लगभग 3 प्रतिशत योगदान देते हैं।

ऋषिकर्म के बावजूद अधूरा रह गया सपना

राजेन्द्र शर्मा

बीती सदी के पांचवें दशक से भारतीय मूर्तिकला के शीर्षस्थ स्तम्भ हिम्मत शाह का सपना था कि नये और साधनहीन ऐसे कलाकार, जिनके पास काम करने के लिए अपना स्टूडियो नहीं हो, उनके लिए वह एक शानदार स्टूडियो बनायेंगे। इस सपने को साकार करने के लिए हिम्मत शाह अपनी चुनी हुई जिंदगी के एकांत में अनवरत रूप से कला साधना करते रहे। तमाम माध्यमों में काम करते हुए अंततोगत्वा समकालीन भारतीय मूर्तिकला के शीर्षस्थ स्तम्भ के रूप में स्थापित हुए। उनके स्कल्पचर अंतर्राष्ट्रीय कला बाजार में लोगों ने करोड़ों में खरीदे। इस कमाई को हिम्मत शाह ने अपने सपने का पूरा करने में लगाया। उनका यह सपना उनके 90वें जन्मदिन पर साकार होता दिखाई दिया। जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में चार मंजिले विशाल स्टूडियो में पेंटिंग, मूर्तिकला, प्रिंटमेकिंग, सिरेमिक के लिए अलग-अलग जगह हैं।

सोलर सिस्टम, लिफ्ट, एयर कंडीशनर और अन्य गैजेट्स से सुसज्जित इस स्टूडियो की कांच की दीवारें मनमोहक दृश्य पेश करती हैं। बानवें साल के हिम्मत शाह इस स्टूडियो को अन्तिम रूप में देने में जुटे थे कि दो मार्च, 2025 की सुबह दिल के दौरे ने उनकी सांसों को रोक दिया। शिद्दत से देखा और संपूर्ण जीवन शिद्दत से रचा हिम्मत शाह का सपना पूरा नहीं हो सका। 'स्टिल आई एम यंग' बानवें साल की उम्र में अपने आप को यंग बताना, हिम्मत शाह की अदम्य जिजीविषा को रेखांकित करती थी। भारतीय समकालीन मूर्तिकला के शीर्षस्थ कलाकार हिम्मत शाह का पूरा जीवन कला को समर्पित रहा। इसके बावजूद वह अपने जीवन की अन्तिम दिन तक थके नहीं। जब अपने मिलने वालों के बीच 'अभी बहुत काम करना है मुझे, एक सौ बीस साल तक जीऊंगा मैं' यह जुमला उछाल कर जब ठहाका लगाते तो वातावरण ठहाकों से भर जाता। उनकी इस जिंदादिली को देखकर हर कोई मान लेता कि एक सौ बीस न सही, सौ का आंकड़ा तो हिम्मत शाह जरूर पूरा करेंगे।

गुजरात के लोथल में 22 जुलाई, 1933 को जैन परिवार में जन्मे हिम्मत शाह का जन्म ही कला के लिए हुआ था। व्यावसायिक परिवार में जन्मे हिम्मत शाह ने दस साल की उम्र में घर छोड़कर कला को चुना। सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट मुंबई से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर हिम्मत शाह ने एमएस यूनिवर्सिटी बड़ौदा में अपने गुरु ख्यात कलाकार एनएस बेंद्रे से कला की बारीकियां सीखीं। वर्ष 1967 में फ्रांसीसी सरकार की छात्रवृत्ति पर दो साल के लिए पेरिस गये। वहां एटलियर 17 में प्रिंटमेकर एसडब्ल्यू हेटर और कृष्णा रेड्डी के अधीन अध्ययन किया। देश में इन्स्ट्रॉलेशन का दौर बहुत बाद में आया पर हिम्मत शाह ने पचास के दशक में ही 'बर्न पेपर कोलाज' जैसा इन्स्ट्रॉलेशन रच दिया था। जिसे देखकर उस समय के प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने कहा था कि भाई, मैं तो अनाड़ी हूं, इसके बारे में थोड़ा विस्तार से बताओ मुझे। हिम्मत शाह कहते थे कि उनके गुरु बेंद्रे साहब ने कहा था कि मैं तुम्हें आर्ट नहीं सिखा सकता आर्ट तुम्हें खुद ही ढूंढ़ना पड़ेगा ज्यदि तुम्हें आर्ट समझ में आ गई तो आ गई, नहीं तो सात जन्मों तक समझ नहीं आयेगी।

अपने गुरु एनएस बेंद्रे का गुरु मंत्र हिम्मत शाह को इस कदर समझ आया कि वह जीवन भर किसी एक माध्यम के मोहताज नहीं रहे। तैलरंग, जलरंगी चित्र, रेखांकन, कोलाज, जले हुए कागज से तैयार किये गये म्यूरल, सिरेमिक, मूर्तिशिल्प, सीमेंट, क्रंकीट, जाली, लोहे के सरियों, हीरे आदि किसी भी माध्यम और मैटेरियल से वह कलाकृतियों को सिरज देते। उन्होंने वास्तुशिल्प, भित्ति चित्र, टेराकोटा और कांस्य में अमूर्तन का इतिहास रचा। अपने सृजन की प्रक्रिया में काम आने वाले, मूर्ति तराशने, आकार देने और ढालने के लिए कई तरह के हाथ के औजारों, ब्रुश और उपकरणों को उन्होंने खुद ईजाद किया। सीमेंट और क्रंकीट में भित्ति चित्र भी उन्होंने सिरजे। जयपुर के अपने लगभग पच्चीस बरस के प्रवास में उन्होनें मूर्तिकला में एक अनूठी शैली विकसित की और उनकी कलाकृतियां दुनियाभर में प्रसिद्ध हुई। कृतियों में कांस्य और टेराकोटा माध्यम का अदभुत प्रयोग देखने को मिलता है। ताउम्र कला के प्रति उनकी दीवानगी एक छोटे बच्चे की मानिंद बनी रही। जब वे किसी कृति को देखते, कहते 'वाह, क्या बात है!' और खिलखिलाकर हंस देते थे।

हिम्मत शाह सम्मान और पुरस्कारों से परे रहने वाले कला साधक थे। साल 1956 और 1962 में ललित कला अकादमी का राष्ट्रीय पुरस्कार, साल 1988 में साहित्य कला परिषद पुरस्कार और 2003 में मध्य प्रदेश सरकार के कालिदास सम्मान से उन्हें नवाजा गया। हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि, पत्रकार रघुबीर सहाय, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, श्रीकांत वर्मा, श्रीराम वर्मा, रमेश चन्द्र शाह, कमलेश, अशोक वाजपेयी, विनोद भारद्वाज, प्रयाग शुक्ल सभी हिम्मत शाह की कला में जड़ता न होने के प्रशंसक रहे और दिल्ली में गढ़ी में स्थित उनके स्टूडियो में मिलने जाया करते थे। हिम्मत शाह की कलाकृतियों पर सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, श्रीकांत वर्मा, प्रयाग शुक्ल और गिरधर राठी ने कविताएं भी लिखीं। लगभग पच्चीस साल पहले जयपुर में बसने से पहले हिम्मत शाह का ठिकाना दिल्ली रहा, वह दौर उनके आर्थिक रूप से खासा कष्टदायक रहा, लेकिन खिलदंड हिम्मत शाह उन तंगी के दिनों में आनंद में रहते। इन पंक्तियों के लेखक को एक इंटरव्यू में हिम्मत शाह ने बताया था कि मैंने जीवन के तीस से ज्यादा बरस केवल खिचड़ी खाकर गुजारे है। क्यों? तुरंत जवाब दिया कि एक तो खिचड़ी के अलावा मुझे कुछ बनाना आता नहीं है, दूसरे फकीरी का सबसे अच्छा दोस्त खिचड़ी ही है।

पैरेंटिंग स्ट्रेस से निपटने के लिए करें ये काम

बच्चों की सही परवरिश करना काफी मुश्किल काम है। माता-पिता के ऊपर अक्सर बच्चों की देखभाल का दबाव रहता है। इस दबाव के कारण पेरेंट्स पेरेंटल स्ट्रेस का शिकार बन जाते हैं। पेरेंटिंग एक सुखद अनुभव होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी होता है। बच्चों की देखभाल, उनकी जरूरतों को पूरा करना और उन्हें सही दिशा दिखाने की जिम्मेदारी अक्सर पेरेंट्स के लिए तनाव का कारण बन सकती है। हालांकि, कुछ आसान तरीकों से पेरेंटिंग स्ट्रेस को कम किया जा सकता है। पेरेंटिंग के दौरान नेगेटिव विचार आना स्वाभाविक है, लेकिन पॉजिटिव सोच बनाए रखना जरूरी है। बच्चों के साथ बिताए गए छोटे-छोटे पलों का आनंद लें और उनकी उपलब्धियों पर गर्व करें। पॉजिटिव सोच आपके तनाव को कम करेगी और पेरेंटिंग को सुखद बनाएगी।

रियलिस्टिक उम्मीदें रखें

अक्सर माता-पिता खुद पर बहुत ज्यादा प्रेशर डाल देते हैं कि उन्हें अपने बच्चे के लिए सबकुछ परफेक्ट करना है। साथ ही, वे अक्सर अपने बच्चों से भी बहुत ज्यादा उम्मीदें रखते हैं, जो तनाव का कारण बन सकता है। यह समझना जरूरी है कि हर बच्चा अलग होता है और उसकी अपनी गति और क्षमता होती है। बच्चों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने दें। रियलिस्टिक गोल्स तय करने से आप और आपके बच्चे दोनों को तनाव कम होगा।

योग की मदद लें

तनाव कम करने के लिए मेडिटेशन और योग बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। रोजाना कुछ मिनट मेडिटेशन करने से मन शांत होता है और तनाव कम होता है। योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। पेरेंटिंग में गलतियां होना स्वाभाविक है। खुद को हर चीज के लिए दोषी महसूस करने के बजाय, गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। यह सोचकर कि आप सब कुछ सही करेंगे, केवल तनाव बढ़ाएगा। बच्चों के साथ रिश्ते को बेहतर बनाने पर ध्यान दें।

टाइम मैनेजमेंट पर ध्यान दें

पेरेंटिंग के साथ-साथ काम, घर और पर्सनल लाइफ को बैलेंस करना मुश्किल हो सकता है। एक रूटीन बनाएं और समय का सही मैनेजमेंट करें। बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए नियमित रूप से समय निकालें। इससे आपका तनाव कम होगा और बच्चों को भी आपका साथ महसूस होगा। इसके अलावा माता-पिता होने के नाते अक्सर हम अपनी जरूरतों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह जरूरी है कि आप अपनी शारीरिक और मानसिक सेहत का ध्यान रखें। नियमित एक्सरसाइज, हेल्दी डाइट और पूरी नींद लेना आपके तनाव को कम करने में मदद करेगा। जब आप खुश और स्वस्थ होंगे, तो बच्चों की देखभाल भी बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

मदद लेने में संकोच न करें

पेरेंटिंग एक टीम वर्क है। अगर आपको लगता है कि आप अकेले सब कुछ संभाल नहीं पा रहे हैं, तो परिवार या दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करें। कभी-कभी बच्चों की देखभाल के लिए किसी एक्सपर्ट की सलाह लेना भी फायदेमंद हो सकता है। मदद लेने से आपका बोझ कम होगा और आप बेहतर तरीके से पेरेंटिंग कर पाएंगे।

बच्चों के साथ करें बातचीत

बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करना जरूरी है। उनकी भावनाओं और विचारों को समझने की कोशिश करें। जब बच्चे अपनी बात कह पाएंगे, तो उनके व्यवहार में सुधार होगा और आपका तनाव भी कम होगा। बातचीत से आपसी रिश्ता मजबूत होता है और पेरेंटिंग आसान बन जाती है। हर उम्र के बच्चों की अलग जरूरतें होती हैं। छोटे बच्चों को ज्यादा देखभाल और ध्यान की जरूरत होती है, जबकि टीनेज में बच्चों को स्वतंत्रता और समझदारी से हैंडल करने की जरूरत होती है। बच्चों की उम्र के अनुसार उनके साथ व्यवहार करने से तनाव कम होगा।

हंसना मना है

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर : तुमने इससे क्या सिखा? स्टूडेंट : जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी : एक जहर की बोतल देना दुकानदार : बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार : बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

हमको यूं पागल बनाना छोड दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से पूछा, तुम्हें खुशी मिलती है जब मैं रोती हूं? उसने जवाब दिया, नहीं, मुझे उस वक्त खुशी मिलती है, जब तुम मुझे रोते हुए फोटो भेजती हो!

पिता बेटे पर गुस्सा करते हुए- एक काम ढंग से नहीं होता तुझसे, तुम्हें पुदीना लाने के लिए कहा था और तुम ये धनिया ले आए, तुझ जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए बेटा- पापा चलो इकठे ही चलते है। पिता- क्यों? बेटा- मम्मी कह रही थी कि ये मेथी है।

कहानी | मित्र-द्रोह का फल

हिम्मत नगर में दो पक्के दोस्त धर्मबुद्धि और पापबुद्धि रहा करते थे। एक दिन पापबुद्धि को ख्याल आया कि क्यों न दूसरे नगर जाकर कुछ पैसा कमाया जाए। पापबुद्धि ने सोचा कि वो धर्मबुद्धि को भी साथ लेकर जाएगा, जिससे दोनों खूब पैसा कमाएंगे और फिर लौटते समय वो धर्मबुद्धि से उसका पैसा किसी तरह से हड़प लेगा। अपनी चाल को पूरा करने के लिए उसने धर्मबुद्धि को दूसरे शहर जाने के लिए मना लिया। दोनों अपने नगर से खूब सारा सामान लेकर दूसरे शहर पहुंच गए। धर्मबुद्धि और पापबुद्धि ने सामान को काफी अच्छी कीमत में बेचा। जब दोनों ने अच्छी-खासी रकम इकट्ठा कर ली, तो दोनों एक दिन अपने नगर की ओर लौटने लगे। पापबुद्धि अपने दोस्त को जंगल के रास्ते से लेकर आया। पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि से कहा, मित्र देखो, अगर हम अपने नगर इतना सारा धन लेकर जाते हैं, तो समस्या हो सकती है। चोर इसे चुरा सकते हैं, लोग हमसे जलन का भाव रखने लगेंगे। ऐसे में बेहतर होगा कि हम आधा धन इसी जंगल में छिपा देते हैं। धर्मबुद्धि ने पापबुद्धि की बातों पर यकीन करके धन को छुपाने के लिए हां कर दी। पापबुद्धि ने गड्ढा खोदकर धन को जंगल में एक पेड़ के पास छिपा दिया। फिर कुछ दिनों बाद बिना अपने दोस्त को बताए, पापबुद्धि अकेले सारा धन उस जंगल से लेकर आ गया। एक दिन धर्मबुद्धि को पैसे की जरूरत पड़ी। तो धर्मबुद्धि सीधे अपने मित्र पापबुद्धि के पास गया और कहने लगा, मुझे पैसों की जरूरत है, जंगल से पैसे निकालकर ले आते हैं। पापबुद्धि राजी हो गया और दोनों जंगल की ओर निकल गए। जैसे ही धर्मबुद्धि ने गड्ढा खोदा, तो वहां पैसा न देखकर चौंक गया। इतने में ही पापबुद्धि ने शोर मचाना शुरू कर दिया और धर्मबुद्धि पर चोरी का आरोप लगाया। हो-हल्ला होने के बाद पापबुद्धि न्यायालय पहुंचा। न्यायाधीश ने सारा मामला सुना तो सच्चाई का पता लगाने के लिए परीक्षा लेने का निर्णय लिया। इसके बाद न्यायाधीश ने दोनों को आग में हाथ डालने का आदेश दिया। चतुर पापबुद्धि ने कहा, अग्नि में हाथ डालने की कोई जरूरत नहीं है, खुद वन देव मेरी सच्चाई की गवाही देंगे। न्यायाधीश ने उसकी बात मान ली। धूर्त पापबुद्धि पास के ही एक सूखे पेड़ में छिप गया। जैसे ही न्यायाधीश ने वन देवता से पूछा कि आखिर धन की चोरी किसने की तो जंगल से आवाज आई, धर्मबुद्धि ने चोरी की है। इतना सुनते ही धर्मबुद्धि ने जिस पेड़ की तरफ से आवाज आई, उसी पेड़ को आग के हवाले कर दिया। आग लगते ही पेड़ से चिल्लाते हुए पापबुद्धि बाहर निकला और झुलसी हालात में सारा सच बयां कर दिया। सच्चाई का पता चलते ही न्यायाधीश ने पापबुद्धि को फांसी की सजा सुना दी और धर्मबुद्धि को उसके पैसे दिलवा दिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

वृषभ बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा।

मिथुन मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें।

कर्क उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य व व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

सिंह जल्दबाजी व भागदौड़ से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या गृह उपयोगी वस्तुएं क्रय करेंगे। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा।

तुला रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा।

वृश्चिक योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं।

धनु धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। धर्म में रुचि बढ़ेगी।

मकर वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे।

कुम्भ प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा। लाभ होगा। व्यावसायिक योजनाएं क्रियान्वित नहीं हो पाएंगी।

मीन संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अपने बच्चे को बेहतर इंसान बनाना चाहता हूं : सिद्धार्थ

बॉलीवुड के खूबसूरत कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने हाल ही में ये खुशखबरी साझा की थी कि वो अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं और जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। इसके बाद से ही ये कपल लगातार चर्चाओं में बना हुआ है। एक्टर-एक्ट्रेस जहां भी जा रहे हैं लोग उन्हें बधाईयां दे रहे हैं। अब एक हालिया बातचीत में अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बताया कि वो पत्नी कियारा के साथ कैसे अपने बच्चे की परवरिश करेंगे। कंटेंट क्रिएटर और रैपर लिली सिंह ने हाल ही में अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक बातचीत शेयर किया है। बातचीत के दौरान बच्चे की परवरिश को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेता ने कहा, मेरे हिसाब से सबसे अच्छा तरीका है कि अपने बच्चों को बड़ा होते समय नियंत्रण में रखें, फिर चाहें वो लड़का हो या लड़की। मेरे जीवन में जब भी ऐसा समय आएगा मैं ऐसा ही करने की कोशिश करूंगा। मैं चाहता हूं कि मेरा बच्चा समाज में एक अच्छा इंसान बने। वो अच्छे लोगों का सम्मान करे और नियमों का पालन करे। एक पुरुष के रूप में पैदा होना आपका चुनाव नहीं होता है, लेकिन एक अच्छा पुरुष बनना आपके हाथ में होता है। अभिनेता ने आगे बताया कि पुरुष होने का क्या मतलब है। उन्होंने कहा, पुरुष बनने की शुरुआत अपने कामों की जिम्मेदारी लेने से होती है। अपने किए कामों के लिए जवाबदेह होने की शुरूआत करने से होती है। वो अपने परिवार के सदस्यों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। यही उम्मीद मैं अपने बच्चे से भी रखता हूं। स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरूआत करने वाले अभिनेता ने ये स्वीकार किया कि माता-पिता बनना और बच्चों की परवरिश करना एक बहुत बड़ा विषय है, लेकिन ये ऐसा है जिसके बारे में माता-पिता को सचेत रहना चाहिए। सिद्धार्थ ने कहा कि माता-पिता को ये पता होना चाहिए कि वो संस्कृति, उदाहरण और समझ के मामले में अपने बच्चों को क्या सिखा रहे हैं। माता-पिता को ये पता होना चाहिए कि क्या उनके बच्चे समाज में रहने के महत्व और लोगों के साथ रिश्ते के महत्व को समझते हैं?

नई फिल्म को लेकर पति का हौसला बढ़ा रहीं यामी

फिल्म धुरंधर का निर्देशन कर रहे हैं पति आदित्य धर

अभिनेत्री यामी गौतम खास मौकों पर अकसर ही इंस्टाग्राम पोस्ट करती हैं, यहां पर कोई वीडियो साझा करती हैं। अभी यामी ने अपने पति आदित्य धर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक पोस्ट साझा किया है। उसमें पति आदित्य धर के लिए कैप्शन में एक प्यार भरा संदेश भी लिखा है, ' जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं। तुम्हारा दिल बहुत बड़ा है, तुम बहुत ही बुद्धिमान व्यक्ति हो। साथ ही सबसे अच्छे पिता और पति भी हो।' इस संदेश के बाद फिर यामी, आदित्य की आने वाले फिल्म के लिए भी उनका हौसला बढ़ाती हुई दिखती हैं। वह लिखती हैं, 'बड़े पर्दे पर तुम जो जादू चलाने वाले हो, उसका इंतजार है।'यामी ने पति आदित्य धर के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पोस्ट में साझा की हैं। एक तस्वीर में दोनों किसी मंदिर में प्रार्थना करते हुए, पूजा-अर्चना करते हुए नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री यामी गौतम और निर्देशक आदित्य धर ने साल 2021 में शादी की। पिछले साल दोनों माता-पिता भी बने हैं, बेटे का नाम यामी और आदित्य ने वेदविद रखा है। अपने जिंदगी के खास मौकों की तस्वीरें अकसर ही यामी इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं। आदित्य धर को जिस फिल्म के लिए यामी गौतम सपोर्ट कर रही हैं, उसका नाम धुरंधर है। इस फिल्म में रणवीर सिंह अहम भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही अक्षय खन्ना, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल भी इस फिल्म का हिस्सा है। यामी गौतम की फिल्मों की बात की जाए तो उनकी हाल ही में ओटीटी पर एक फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई। इसमें प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम ने अभिनय किया है। फिल्म में वह कोयल नाम की एक ऐसी लड़की की भूमिका निभा रही हैं, जो काफी दबंग है।

सलमान के सेट पर इज्जत नहीं मिली: दिया

अभिनेत्री दिया मिर्जा ने हाल ही में सलमान खान की फिल्म सेट से जुड़े अपने अनुभवों को शेयर किया है। इसमें उन्होंने सेट महिलाओं के काम करने के माहौल के बारे में बताया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि सेट पर उनके सवाल पूछने पर उन्हें चुप करा दिया गया था। फिल्म में इतने दिग्गज क्रू मेंबर्स के बावजूद ऐसे व्यवहार ने उन्हें चौंका दिया था। अभिनेत्री दिया मिर्जा ने फिल्मों में महिलाओं के काम करने के माहौल के बारे में बात की। इस दौरान उन्होंने सलमान खान अभिनीत फिल्म 'तुमको ना भूल पाएंगे' का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां दिग्गज क्रू सदस्य होने के बावजूद महिलाओं का ध्यान नहीं दिया गया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें स्क्रिप्ट भी आसानी से नहीं मिलती थी। वहां कोई वर्कशॉप नहीं था, कोई रीडिंग नहीं थी। उनका किरदार राजस्थान से था, लेकिन वह भोजपुरी बोल रही थीं और डायलॉग भी उन्हें कुछ देर पहले मिलते थे। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि सबकुछ जल्दबाजी में होता था, अभिनय के लिए उनके कपड़े तुरंत सिल दिए जाते और सेट पर आ जाते थे। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग के दौरान जब अपने किरदार को लेकर सवाल किया तो, उन्होंने कहा कि मेरा किरदार चनिया चोली पहनता है। इसपर जब उन्होंने आपत्ति जताई, तो उनसे कहा गया कि आप बहुत सवाल करती हैं और कहा कि बस वही करो, जो कहा जाए। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म में निर्देशक पंकज पाराशर, अभिनेता सलमान खान के अलावा कई दिग्गज कलाकार होने के बावजूद इस व्यवहार ने उन्हें परेशान कर दिया था। अभिनेत्री दिया मिर्जा हाल ही में नादानियां फिल्म में नजर आई थी। इस फिल्म में इब्राहिम अली और खुशी कपूर मुख्य भूमिका में थे। साल 2002 में पंकज पाराशर के निर्देशन में बनी फिल्म 'तुमको ना भूल पाएंगे' मे दिया मिर्जा (मुस्कान) और सलमान खान (अली) ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म दर्शकों बेहद पसंद आई थी।

बॉलीवुड | मसाला

स्कूल में लंच करके सो जाते हैं बच्चे! टीचर देते हैं तकिया-बिस्तर और प्राइवेट रूम भी ...

यूं तो स्कूल बच्चों के लिए पढ़ने और खेलने-कूदने की जगह होते हैं लेकिन आजकल स्कूलों में और भी गतिविधियां कराई जाती हैं। उन्हें बहुत सी ऐसी चीज़ें सिखाई जाती हैं, जो हमने बचपन में शायद ही सीखी हों। स्कूल भी इसके नाम पर तरह-तरह की फीस वसूलते रहते हैं। हालांकि जब कोई स्कूल एक्टिविटीज और खाने-पीने के अलावा सोने की भी फीस वसूले तो मामला ज्यादा ही अजीब हो जाता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के एक स्कूल में ऐसी ही फीस वसूली जा रही है, जो बच्चों को कुछ सिखाने के लिए नहीं बल्कि सुलाने के लिए मांगी जाती है। सोशल मीडिया पर इस स्कूल की ये अजीबोगरीब फीस चर्चा का विषय बनी हुई है। चीन के दक्षिण पूर्वी प्रांत गुआंगडॉन्ग में ये स्कूल है और पैरेंट्स उसकी इस डिमांड पर दंग हैं। गुआंडडॉन्ग प्रांत में मौजूद जेशेंड प्राइमरी स्कूल के छात्रों पर नए सत्र से नैप फीस यानि झपकी लेने की फीस लगाई जा रही है। स्कूल के पैरेंट टीचर ग्रूप की एक चैट इन दिनों चीनी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ये बताया गया है कि बच्चों पर नैप चार्ज लगाया जा रहा है। इसके मुताबिक स्कूल में बच्चे थोड़ी देर के लिए सो सकेंगे और इस दौरान वे टीचर्स की निगरानी में होंगे। हालांकि वे इस दौरान घर जाने के लिए भी फ्री होंगे लेकिन अगर वे स्कूल में सोएंगे, तो उन्हें फीस देनी पड़ेगी। अगर बच्चा इस ब्रेक के दौरान अपनी डेस्क पर ही सिर झुकाकर सोएगा, तो उसे 200 युआन यानि 2300 रुपये देने होंगे। अगर वो क्लासरूम में ही बाकायदा मैट लगाकर सोना चाहेगा, तो उसे 360 युआन यानि करीब 4500 रुपये देने होंगे. अगर उसे सोने के लिए प्राइवेट रूम चाहिए होगा, जिसमें उसे बेड भी मिलेगा, तो उसे इसके लिए 680 युआन यानि करीब 7800 रुपये की फीस देनी होगी।

अजब-गजब | ऐसा अद्भुत मंदिर जिसका आज तक नहीं सुलझा रहस्य

जहां आधी रात को मूर्तियां करती हैं आपस में बात!

हमारा देश आस्था और मंदिरों का देश है। यहां लाखों की संख्या में मंदिर मौजूद हैं। इनमें से कुछ मंदिर ऐसे हैं, जो रहस्यमयी हैं और इनमें कई तरह के चमत्कार देखने को मिलते हैं। ऐसा ही एक रहस्यमयी मंदिर बिहार में भी है। इस अद्भुत मंदिर का नाम राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर में स्थापित मूतियां आपस में बात करती हैं। यह मंदिर बिहार के बक्सर में स्थित है। इस मंदिर के पास से जो कोई भी गुजरता है उसे ऐसा सुनाई देता है जैसे कि मंदिर के अंदर कोई बुदबुदा रहा है। इस मंदिर को शक्ति पीठ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर की स्थापना करीब 400 साल पहले की गई थी। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण भवानी मिश्र नाम के व्यक्ति ने कराया था। इतना ही नहीं इस मंदिर में मिश्र परिवार ही सेवा करता आया है। बता दें कि इस मंदिर में कई सारे देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं। इन मूर्तियों के बारे में कहा जाता है कि यह मूर्तिया रात को आपस में बात करती हैं। रात को इन मूर्तियों की आवाज सुनकर हर कोई डर जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में कोई भी मनोकामना मांगने पर पूरी हो जाती है। वहीं इस मंदिर पर तांत्रिकों की अटूट आस्था है। यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है।

मप्र सरकार के बजट में जुमले ही जुमले : पटवारी

» पीसीसी चीफ बोले- जनता के साथ हो रहा धोखा

» बेरोजगारी पर सरकार की चुप्पी शर्मनाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार के बजट 2025-26 को निराशाजनक और गुमराह करने वाला बताते हुए कहा कि यह बजट सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी और जुमलों का पुलिंदा है। इसमें न जनता की भलाई के ठोस प्रावधान हैं, न ही बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं का कोई समाधान है। पटवारी ने कहा कि बजट में गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए कोई योजनाएं लाई गई हैं। गोपालक किसानों, एमएसएमई उद्योगों, स्टार्टअप्स के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिर्फ घोषणाएं कर रहे हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि गरीबों को राहत नहीं, किसानों को उनकी फसलों के दाम नहीं, युवाओं को रोजगार नहीं और महिलाएं असुरक्षित हैं। यह बजट केवल चुनावी एजेंडे के तहत दिखावटी योजनाओं से भरा हुआ है। पटवारी ने कहा, भाजपा सरकार 'उद्योग और रोजगार वर्ष' मनाने की बात कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है। युवा सरकारी भर्तियों के इंतजार में सालों से ठगा महसूस कर रहे हैं। व्यापमं घोटाले के बाद से भर्तियों की प्रक्रिया ठप है और निजी क्षेत्र में भी रोजगार सृजन के कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

किसानों को ठगने वाला बजट

महंगाई और भ्रष्टाचार पर चुप्पी क्यों?

पटवारी ने सवाल उठाया कि सरकार ने इस बजट में महंगाई और भ्रष्टाचार पर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया? उन्होंने कहा, महंगाई ने आम आदमी की कमर तो? दी है। पेट्रोल-डीजल, खाद्य पदार्थ, रसोई गैस सभी की कीमतें आसमान छू रही हैं। जनता को राहत देने के बजाय सरकार अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने में लगी हुई है। मुख्यमंत्री द्वारा गोपालक किसानों के लिए खास योजना की बात पर कटाक्ष करते हुये पटवारी ने इसे मज़ाक दिखावा करार दिया है। भाजपा सरकार केवल किसानों को सपने दिखाने में लगी है। पहले डबल इंजन सरकार ने किसानों की कर्जमाफी की बात की, फिर उसे भुला दिया गया। आज भी किसान अपनी उपज के उचित दाम और समय पर खाद-बीज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र में सुधार की बजाय सरकार केवल प्रचार पर ध्यान दे रही है।

सार्वजनिक परिवहन की हालत खस्ता

पटवारी ने सरकारी बसों के लिए 80 करो? रुपये का प्रावधान को अपर्याप्त बताते हुए कहा कि प्रदेश की बस सेवाएं पहले ही जर्जर हालत में हैं। सरकार अगर वाकई परिवहन सुधारना चाहती, तो व्यापक योजनाएं लाती। लेकिन यह सरकार सिर्फ आधे-अधूरे कदम उठाकर वाहवाही लूटने में लगी रहती है।

नीतीश को अब आश्रम चले जाना चाहिए : तेजस्वी यादव

» बोले- वह सरकार चलाने में सक्षम नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाया है कि वे अपना विवेक खो चुके हैं। राजद नेता ने कहा कि मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि लालू जी ने पहले पीएम बनाया और मैंने उन्हें दो बार सीएम बनाया। नीतीश कुमार और लालू यादव में कोई तुलना नहीं है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार को खुद इस्तीफा दे देना चाहिए। नीतीश से पहले भी मेरे पिता सांसद बने थे। उन्होंने कहा कि हमारे समर्थन पत्र के बिना वह सीएम नहीं बन सकते थे। उन्हें आश्रम चले जाना चाहिए क्योंकि वह सरकार चलाने में सक्षम नहीं हैं। वह 14 करोड़ लोगों के भविष्य के साथ क्या कर रहे हैं? नीतीश की हालत स्थिर नहीं है।

मौनी बाबा बनकर बैठे हैं। एनसीआरबी का आंकड़ा निकलकर देख लें तो बिहार में लगातार अपराध की संख्या में वृद्धि हो रही है। कैसे जिले हैं जहां जेल में लोगों की पीट-पीटकर हत्याएं हो रही हैं। इस सरकार में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। यह घटना यह दिखलाती है कि अपराधियों का संरक्षक नीतीश कुमार बन चुके हैं। इससे पहले तेजस्वी यादव उस समय नाराज हो गए जब उनसे नीतीश के साथ फिर से गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया। नीतीश राजद के साथ गठबंधन तोड़ पिछले साल भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हो गए थे।

नेता प्रतिपक्ष बोले- बिहार में कानून व्यवस्था हो गई है फेल

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो चुका है। अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। मुख्यमंत्री जी कहते हैं की रात में लड़का लड़की लोग घूमता है, तनिष्क जैसे बड़े शोरूम एक बार नहीं तीन-तीन बार अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। भोजपुर में लूट की घटना हुई, वैशाली में स्कूल में बम फोड़े जा रहे हैं। कोई ऐसा दिन नहीं है जब बिहार में एक दिन में 200 राउंड गोलियां नहीं चलती हैं। जिस तरह से बिहार में वारदात हो रही हैं। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिला नालंदा में एक युवती के पैर में 9-9 कील ठोक कर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई, अमानवीय ढंग से उसकी हत्या कर शव खेत में फेंक दिया गया और सरकार के लोग चुप बैठे हैं।

महाराष्ट्र समाजवादी मजदूर प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बने रामचरण यादव

» समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन जन के बीच पहुंचाने का लिया संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने गरीबों और मजदूर वर्ग के बीच अति लोकप्रिय नेता रामचरण यादव को समाजवादी मजदूर प्रकोष्ठ में प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप कर उत्तर भारतीय समाज के बीच समाजवादी लहर जागृति करने का बड़ा दांव खेला है। अखिलेश यादव के निर्देश पर उन्हें मनोनीत किया गया है। पार्टी का मानना है कि महाराष्ट्र प्रदेश में सबसे ज्यादा उत्तर भारतीय समाज के लोग भारी तादात में कार्य कर रहे हैं। यूपी के विभिन्न जनपदों से आये तमाम युवा कंपनियों में काम करते हैं लेकिन उनकी कोई आवाज उठाने वाला नेता अभी तक नहीं था।

रामचरण के अध्यक्ष बनने से उत्तर भारतीय समाज में खुशी की लहर है। रामचरण ने अखिलेश को धन्यवाद देते हुए कहा कि जितना हो सकेगा संगठन को मजबूती प्रदान करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले महानगर पालिका चुनाव में सपा अपने बलबूते चुनाव लड़ेगी और एक मजबूत विकल्प के तौर पर उभरेगी। सपा नेता लालू ने कहा कि रामचरण यादव के अध्यक्ष बनने से गरीब, कमजोर वर्ग, मजदूरों और समाज के अंतिम पायदान पर आस की उम्मीद लगाए खड़ा हर व्यक्ति को मजबूती मिलेगी।

केजरीवाल पंजाब के वोटरों से करेंगे संवाद

» 18 को लुधियाना सीट के प्रत्याशी के लिए जनसभा करेंगे आप संयोजक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पहली बार पंजाब में सियासी एंट्री करेंगे। वह लुधियाना पश्चिमी सीट पर अपने प्रत्याशी संजीव अरोड़ा के लिए लोगों को संबोधित करते नजर आएंगे। केजरीवाल 18 मार्च को लुधियाना आ रहे हैं। वह स्वास्थ्य क्षेत्र से कुछ सेवाओं को जनता का समर्पित करेंगे। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि विपश्यना तो केजरीवाल का एक बहाना है, असल में वह लुधियाना पश्चिमी सीट पर उपचुनाव के बहाने प्रदेश की सियासत में एंट्री लेंगे।

बाजवा ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने के बाद उनके पास पंजाब को छोड़ और कोई विकल्प नहीं है। दिल्ली हार के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व मंत्री सत्येंद्र चौहान और केजरीवाल के अन्य सलाहकारों ने पहले ही पंजाब का दौरा बढ़ा दिया है। बीते दिनों दिल्ली से आए आप नेताओं ने प्रदेश के स्कूल, स्वास्थ्य और यहां तक की कई नीतियों के निर्माण को लेकर बैठक के हिस्सा भी बने। आप दिल्ली नेताओं का लगातार पंजाब दौरा विपक्षी दलों के निशाने पर है। यही कारण है कि अब भाजपा ने भी अपने कद्दावर दिल्ली कैबिनेट मंत्री और प्रमुख सिख चेहरे के रूप में पहचान रखने वाले मनजिंदर सिंह सिरसा का पंजाब दौरा बढ़ा दिया है।

पंजाब से राज्यसभा जाने का प्रयास करेंगे केजरीवाल

केजरीवाल के विपश्यना में जाते ही दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाब की धरती पर कदम रखा और राजधानी चंडीगढ़ में केजरीवाल और आप पर जमकर निशाना साधा था। सिरसा ने तब कहा था कि आने वाले दिनों में वह पंजाब से राज्यसभा जाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। ऐसे में लुधियाना में आना इसी ओर संकेत देता नजर आ रहा है। वहीं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को यह बखूबी पता चल गया है कि 2027 में पंजाब विधानसभा चुनाव उनके लिए जीतना बेहद ही जरूरी है। पंजाब में दूसरी बार सरकार बनाकर ही वह दिल्ली के चुनावी जंग में दोबारा ताल ठोक सकते हैं। इस समय हर मायने में पंजाब ही आप के लिए संजीवनी का काम कर रही है। यही कारण है कि भाजपा, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल भी आप को कुर्सी से उतारने के लिए सियासी जोर लगाने में जुटे हैं।

वनडे रैंकिंग में गिल की बादशाहत बरकरार

» रोहित को दो पायदान का फायदा, कोहली एक पायदान फिसले

» कुलदीप और जडेजा को भी फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का बल्ला जमकर गरजा था। उन्होंने 76 रनों की दमदार पारी खेलकर जीत की नींव रखी थी। अब उन्हें इस प्रदर्शन का आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में हिटमैन दो स्थानों की छलांग लगाकर दूसरे पायदान पर पहुंच गए। वहीं, भारतीय टीम के उपकप्तान शुभमन गिल 784 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। उनकी बादशाहत में कोई कमी नहीं आई है क्योंकि उन्होंने दुबई में भारत के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 101 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन बनाए। भारत यह दोनों मैच आसानी से जीतने में सफल रहा। जबकि किंग कोहली को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह पांचवें पायदान पर खिसक गए। गेंदबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा चमके। दोनों ने तीन-तीन स्थानों की छलांग लगाई। कुलदीप तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं जबकि जडेजा शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं। श्रीलंका के महीश तीक्षणा पहले स्थान पर बने हुए हैं।

महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए शुभमन गिल

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद शुभमन गिल को एक और तोहफा मिला है। गिल फरवरी महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज के मैचों में बल्ले से यादगार प्रदर्शन करने वाले गिल ने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को पछाड़ते हुए बुधवार को यह पुरस्कार जीता। गिल के लिए यह तीसरा आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान है। उन्होंने इससे पहले 2023 में दो बार (जनवरी और सितंबर) में इसे जीता था। गिल ने फरवरी में पांच वनडे मैचों में 101.50 की औसत और 94.19 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में दो अर्धशतक और एक शतक जड़कर भारत को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

वाहन चोर के साथ भाजपा विधायक की फोटो पर बवाल

बर्थडे पार्टी में आता था वाहन चोर!

» पोल खुली तो बौखला गए जीएस धर्मेश

» सपा ने लगाये गंभीर आरोप, मानहानि का दावा करेंगे विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। वाहन चोर के साथ आगरा के छावनी विधानसभा के बीजेपी विधायक डॉ. जीएस धर्मेश की फोटो वायरल होने के बाद सियासत गरमा गई है। भाजपा ने सपा इन आरोपों को खारिज करतें हुए समाजवादी पार्टी छात्रसभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कादिर चिरागुद्दीन कुरैशी के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया है। धर्मेश ने उन्होंने आरोप लगाया है कि वाहन चोर के साथ उनका फोटो शेयर करके सामाजिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान की क्षति की है।

बीजेपी विधायक से नहीं हो सका संपर्क

इस बीच, सपा के प्रदेश सचिव नितिन कोहली ने आरोप लगाया है कि वाहन चोरी गैंग में पकड़ा गया सुरेंद्र राठौर बीजेपी विधायक के घर उनके जन्मदिन की पार्टियों में शामिल होता था। बर्थडे का केक काटता था। पकड़े जाने पर वाहन चोर के साथ बीजेपी विधायक के फोटो वायरल हुए। तमाम लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालीं। सपा कार्यकर्ताओं ने जब उनकी कलई खोली तो वे बौखला गए हैं। पकड़ा गया वाहन चोर बीजेपी नेता है। उसके घर पर बीजेपी का बोर्ड लगा है। इस संबंध में बीजेपी विधायक डॉ. जीएस धर्मेश से उनके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

कौन बगल में खड़ा होकर फोटो खिंचा रहा क्या पता : धर्मेश

इससे पहले, बीजेपी विधायक डॉ. जीएस धर्मेश ने कहा था कि वे राठौर समाज के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में गए थे। मंच पर लोग फोटो खिंचा रहे थे। इस दौरान कौन खड़ा होकर फोटो खिंचा गया उन्हें क्या पता। मगर लोगों ने उनका फोटो सोशल मीडिया पर इस नजरिए से शेयर किया कि वे किसी वाहन चोर के करीबी हैं। उन्होंने सपा नेता कादिर चिरागुद्दीन कुरैशी और पवन चौधरी के खिलाफ थाना सदर में केस दर्ज कराया है।

सीएम योगी ने तो एक गैंगस्टर को नाविक बता दिया : कोहली

नितिन कोहली का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक गैंगस्टर को नाविक बता दिया था। ऐसे ही बीजेपी के विधायक वाहन चोर की सच्चाई छिपा रहे है जिसे पुलिस ने वाहन चोर गैंग के साथ पकड़ा गया है। वह बीजेपी का नेता है। विधायक के घर पर बर्थडे पार्टी में शामिल 12 लोगों में वह भी मौजूद है। उसके घर पर बीजेपी नेता का बोर्ड लगा है। जबकि विधायक कहते है वह उसे नहीं जानते हैं। बीजेपी विधायक वाहन चोर को संरक्षण दे रहे हैं। उसके साथ अपने संबंधों को वे छिपा रहे हैं।

कादिर कुरैशी के साथ खड़ी है सपा

दूसरी ओर, कादिर कुरैशी का समर्थन करते हुए लोहिया वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल चौधरी का कहना है कि सत्तादल के नेता विपक्ष की आवाज को दबा रहे हैं। एक बीजेपी का नेता वाहन चोरी में पकड़ा गया तो बीजेपी विधायक सच्चाई बोलने वालों पर कार्रवाई करवा रहे हैं। प्रदेश सचिव नितिन कोहली का कहना है कि कादिर कुरैशी के साथ समाजवादी पार्टी खड़ी है। वाहन चोर को विधायक संरक्षण दे रहे हैं। झूठे मुकदमें दर्ज करा रहे हैं।

होली के दिन सुबह-सुबह जयपुर में भीषण अग्निकांड

» नीचे बैंक और ऊपर गोदाम, आग में सब जलकर खाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। होली के दिन सुबह सुबह ही जयपुर में एक भीषण अग्निकांड हो गया। सीकर रोड स्थित विश्वकर्मा रोड नंबर 12 के पास रबड़ के दौरान में भीषण आग लग गई। हैरानी की बात यह है कि यह गोदाम यूको बैंक के ऊपर हुआ है। सुबह करीब 10 बजे बैंक के ऊपर बने गोदाम में आग लगी थी। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की टीमें तत्काल मौके पर पहुंची। आग बुझाने के प्रयास किए गए लेकिन चूंकि गोदाम रबड़ का है। ऐसे में आग पर काबू पाने में फिलहाल समय लग रहा है। दमकल की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर है और आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही है। सुबह करीब 10 बजे गोदाम से आग की लपटें उठने लगी।

देखते ही देखते आग की लपटें तेज होने लगी और धुएं के गुबार काफी ऊंचाई तक फैलता गया। धुएं का गुबार करीब दो किलोमीटर दूर तक नजर आया। यूको बैंक के ठीक सामने ही सीकर रोड है जहां हर वक्त वाहनों का आवागमन रहता है। आग लगने के दौरान पुलिस ने वाहनों की आवाजाही को डायवर्ट किया। मुख्य सड़क के बजाय बीआरटीएस कॉरिडोर में से वाहनों को निकाला जाने लगा। इस भीषण आग से रबड़ गोदाम धूं धूं कर जलता रहा। मौके पर आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां पहुंचने के बाद भी धुंए के गुबार उठते रहे। चूंकि जलते हुए रबड़ को बुझाना आसान नहीं है। अमूमन रबड़ की आग तभी थमती है जब तक वह पूरा जल ना जाए। हालांकि पानी की बौछार करके आग को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस आग से बैंक को कितना नुकसान पहुंचा, यह फिलहाल कहा नहीं जा सकता। आग पूरी तरह बुझने के बाद बैंक कर्मी आएंगे और जायजा लेंगे। तब ही नुकसान का पता चल सकेगा।

कांग्रेसियों की नियुक्ति पर कर्नाटक में बवाल

» सरकारी खजाने से सैलरी देने पर गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार द्वारा चुनाव पूर्व गारंटी को पूरा करने के लिए गठित पैनल के पदाधिकारियों के रूप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नियुक्त करने और उनके वेतन और भत्तों के लिए धन निर्धारित करने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर अपने कार्यकर्ताओं को भुगतान करने के लिए करदाताओं के पैसे लूटने का आरोप लगाया है। भाजपा विधायकों ने विधान सौध के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। जेडी(एस) विधायक एमटी कृष्णप्पा ने कल विधानसभा में यह मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा कि जब विधायक और अधिकारी कार्यक्रम क्रियान्वयन की निगरानी कर रहे थे, तब कांग्रेस सरकार पार्टी कार्यकर्ताओं पर अनावश्यक रूप से धन खर्च कर रही थी। विपक्ष के नेता आर अशोक ने उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार की आलोचना की और कहा कि वह सरकार और पार्टी के बीच अंतर करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगायाआप करदाताओं का पैसा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कैसे दे सकते हैं? अगर आप उन्हें भुगतान करना चाहते हैं, तो सड़कों पर जाकर भीख मांगें। इन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कैबिनेट रैंक, आधिकारिक बंगले और कार्यालय दिए गए हैं।

भाजपा विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया

कार्यकर्ता विधायकों के साथ काम करने के बजाय बैठकें कर रहे : अरागा ज्ञानेंद्र

पूर्व गृह मंत्री, भाजपा के अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि पैनल में नियुक्त कांग्रेस कार्यकर्ता विधायकों के साथ काम करने के बजाय समानांतर बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या आपको हम पर भरोसा नहीं है? हम पहले से ही इसी उद्देश्य के लिए वेतन और भत्ते प्राप्त कर रहे हैं। यह अलोकतांत्रिक है।

कार्यकर्ताओं को निगरानी करने का अधिकार : शिवकुमार

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि यह सरकार की इच्छा है। इस सरकार को सत्ता में लाने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को इसके कार्यक्रमों की निगरानी करने का पूरा अधिकार है। अशोक ने फिर पूछा कि क्या भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की निगरानी के लिए नियुक्त किया जा सकता है। शिवकुमार ने कहा भाजपा ने हमेशा गारंटी का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गारंटी योजनाओं के लिए 52,000 से 56,000 करोड़ रुपये आवंटित कर रही है, जो बजट का 20 प्रतिशत है। भाजपा दिल्ली, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी गारंटी लागू कर रही है।

सिद्धरमैया को '40 प्रतिशत कमीशन' के आरोपों की सौंपी गई रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर लगे '40 प्रतिशत कमीशन' के आरोपों की जांच के लिए गठित उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एच एन नागमोहन दास आयोग ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को 20,000 पन्नों की अपनी रिपोर्ट सौंप दी।

सरकारी ठेकों के लिए '40 प्रतिशत कमीशन' के आरोप ने राज्य की राजनीति को हिलाकर रख दिया था और यह कांग्रेस के लिए एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाकर 2023 के विस चुनाव जीत गया था।

ट्रंप से समर्थन पाने के लिए पीएम मोदी करवा रहे साझेदारी : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जियो ने बुधवार को और एयरटेल ने मंगलवार को स्टारलिंक के साथ साझेदारी की घोषणा की। इस बात से देश की राजनीतिक गर्माहट को भी तेज हो गई है।

इस मामले में कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ नीति से बचने और उनके साथ अच्छे संबंध बनाने के लिए स्टारलिंक से एयरटेल और जियो दोनों के साथ साझेदारी की घोषणा की है। ताकी वो ट्रंप से समर्थन पा सकें। कांग्रेस ने कहा इस साझेदारी के पीछे प्रधानमंत्री का हाथ है, जो एलन मस्क के जरिए ट्रंप से संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्टारलिंक और टेलीकॉम कंपनियों की साझेदारी पर सरकार पर किया हमला

देश में मंदी की आहट! आईटी शेयर हुए धड़ाम

» भारत की टॉप 10 आईटी कंपनियों के शेयर अपने शिखर से 33 प्रतिशत तक गिरे

» 88000 करोड़ डूबने की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुनियाभर का बाजार उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। अमेरिकी मंदी की आशंकाओं, रेटिंग में गिरावट और लक्षित मूल्य कटौती (टार्गेट प्राइस कट्स) ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इसका नतीजा यह हुआ कि भारत की टॉप 10 आईटी कंपनियों के शेयर अपने शिखर से 33त्न तक गिर चुके हैं। इनका कुल बाजार मूल्य 88,000 करोड़ रुपये तक घट गया है। निफ्टी आईटी इंडेक्स अब गिरावट के क्षेत्र में प्रवेश कर गया है।

भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाता कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), अपने उच्चतम स्तर से

23प्रतिशत तक लुढ़क गई है, जिससे निवेशकों को 3.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। टॉप 10 आईटी कंपनियों में से आठ मंदी की गिरफ्त में हैं, जिनमें इंफोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा भी शामिल हैं। एलटीआई माइंडट्री को सबसे अधिक 33 प्रतिशत की गिरावट का झटका लगा है, जबकि विप्रो इस सूची में सबसे कम प्रभावित हुआ है, लेकिन यह भी 16प्रतिशत नीचे है। बाजार में जारी हलचल के बीच मंदी को लेकर सुगबुगाहट तेज है। अक्सर जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आता है, महंगाई बढ़ती है या कंपनियां छंटनी करने लगती हैं, तो यह सवाल जोर पकड़ने लगता है- मंदी आ रही है क्या? वैश्विक बाजार में पिछले कुछ दिनों में मंदी की सुगबुगाहट बढ़ी है।

अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती में देरी से बाजार में अनिश्चितता

अमेरिका में ऊंची महंगाई और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती में देरी से बाजार में अनिश्चितता बढ़ रही है। इससे आईटी कंपनियों की ग्रोथ पर असर पड़ रहा है और भारतीय कंपनियां भी इससे अछूती नहीं हैं। जेपी मॉर्गन के प्रमुख अर्थशास्त्री ने 2025 में अमेरिकी मंदी की संभावना 40प्रतिशत तक आंकी है। गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने भी अमेरिकी जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटाकर क्रमशः 1.7प्रतिशत और 1.5प्रतिशत कर दिया है। आईटी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट और निवेशकों का डूबता पैसा मंदी की आहट के संकेत दे रहा है। ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि मंदी है क्या, आती कैसे है और इसका आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ सकता है?

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।